सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 275 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 13 नवम्बर, 2024

टेक्नोलॉजी के गुलाम मत बनिए- अपना फोन मैनेज करिए, उसे आपको मत मैनेज करने दीजिये।

-रिचर्ड ब्रैनसन

टी-20 सीरीज में बढ़त लेने... 7 | बांटने नहीं जोड़ने वाली हो जायज... 3 | छात्रों के प्रति क्रूर है सरकार का... 2

बुलडोजर एक्शन पर चला 'सुप्रीम' चाबुक

केंद्र व राज्य सरकार को लगाई फटकार

अधिकारी दोषी हुआ तो कराएगा निर्माण, देगा मुआवजा

» राज्यों की मनमानी पर लगाई लगाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर एक्शन पर तीखा प्रहार करते हुए केंद्र की एनडीए व यूपी की योगी सरकार को फटकार लगाई है। शीर्ष अदालत ने कहा कि प्रशासन जज का काम ने करे। बता दें आरोपियों के खिलाफ बुलडोजर एक्शन पर रोक लगाने की मांग करने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए बुधवार को कहा कि उसने संविधान में दिए गए उन अधिकारों को ध्यान में रखा है, जो राज्य की मनमानी कार्रवाई से लोगों को सुरक्षा प्रदान करते हैं।

शीर्ष कोर्ट ने कहा कि कानून का शासन यह सुनिश्चित करता है कि लोगों को यह पता हो कि उनकी संपत्ति को बिना किसी उचित कारण के नहीं छीना जा सकता। अदालत ने कहा कि सभी पक्षों सुनने के बाद ही हम आदेश जारी कर रहे है, अदालत ने कहा कि हमने संविधान के तहत गारंटीकृत अधिकारों पर विचार किया है, यह व्यक्तियों को राज्य की मनमानी कार्रवाई से सुरक्षा प्रदान करते हैं,अदालत ने कहा कि सत्ता के मनमाने प्रयोग की इजाजत नहीं दी जा सकती है। उधर इस फैसले के बाद सियासी दलों की मिली जुली प्रतिक्रिया भी आई है। विपक्षी दलों ने एनडीए सरकार को घेरा है। वहीं भाजपा इस पर कुछ बोलने से कतराती रही।

अधिकारियों की जवाबदेही तय हो

कोर्ट ने यह भी कहा कि उसने शक्ति के विभाजन पर विचार किया है और यह समझा है कि कार्यपालिका और न्यायपालिका अपने-अपने कार्यक्षेत्र में कैसे काम करती हैं। न्यायिक कार्यों को न्यायपालिका को सौंपा गया है और न्यायपालिका की जगह पर कार्यपालिका को यह काम नहीं करना चाहिए। कोर्ट ने आगे कहा, अगर कार्यपालिका किसी व्यक्ति का घर केवल इस वजह से तोड़ती है कि वह आरोपी है, तो यह शक्ति के विभाजन के सिद्धांत का उल्लंघन है। कोर्ट ने कहा कि जो सरकारी अधिकारी कानून को अपने हाथ में लेकर इस तरह के अत्याचार करते हैं, उन्हें जवाबदेही के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

शीर्ष अदालत बोली- अफसर जज नहीं बन सकते

कोर्ट का फैसला सरकार को जोरदार तमाचा : चंद्रशेखर

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर आज़ाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चन्द्रशेखर आजाद ने कहा, ये भाजपा की उत्तर प्रदेश की सरकार को जोरदार तमाचा है कि बिना दोषी सिद्ध हुए या कोर्ट के निर्णय के आप किसी का घर नहीं गिरा सकते हैं। मैं इसके लिए सुप्रीम कोर्ट का धन्यवाद करता हूं।

दिल की गहराईयों से सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले का स्वागत : अजय राय

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा,निश्चित तौर पर सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले का हम सब स्वागत करते हैं और इसके लिए हम उनका धन्यवाद भी देते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने जैसा कहा कि दोषी साबित होने के बाद भी घर नहीं गिराया जा सकता है क्योंकि उस घर में रहने वाले अन्य परिजन दोषी नहीं हैं, हम दिल की गहराईयों से सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले का स्वागत करते हैं।

जमीयत-उलेमा-ए-हिंद ने लगाई थी याचिका

उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान में लगातार बुलडोजर एक्शन के बाद जमीयत-उलेमा-ए-हिंद ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी। आरोप लगाया था कि बीजेपी शासित राज्यों में मुसलमानों को निशाना बनाया जा रहा है और बुलडोजर एक्शन लिया जा रहा है। केंद्र सरकार ने दलील दी थी कि कोर्ट अपने फैसले से हमारे हाथ ना बांधे। किसी की भी प्रॉपर्टी इसलिए नहीं गिराई गई है, क्योंकि उसने अपराध किया है। आरोपी के अवैध अतिक्रमण पर कानून के तहत एक्शन लिया गया है।

कोर्ट ने दिखाया आइना : सुप्रिया श्रीनेत

फैसले पर कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा, सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को आइना दिखाने का काम किया है. सर्वोच्च न्यायालय ने पूरी तरह से कानून को प्राथमिकता दी है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि दोषी और आरोपी को सजा दी जाए न कि उसके परिवार को, मैं आशा करती हूं कि उत्तर प्रदेश की और तमाम भाजपा की सरकारें इसका अनुसरण करते हुए ये कुकृत्य को बंद करेंगी।

घर गिराना आखिरी रास्ता, यह साबित करना होगा : जस्टिस गवई

जस्टिस बीआर गवई बोले,एक आदमी हमेशा सपना देखता है कि उसका आशियाना कभी ना छीना जाए। हर एक का सपना होता है कि घर पर छत हो। क्या अधिकारी ऐसे आदमी की छत ले सकते हैं, जो किसी अपराध में आरोपी हो? आरोपी हो या फिर दोषी हो, क्या उसका घर बिना तय प्रक्रिया का पालन किए गिराया जा सकता है? जस्टिस गवई ने कहा,एक घर समाजिक-आर्थिक तानेबाने का मसला है। ये सिर्फ एक घर नहीं होता है, यह बरसों का संघर्ष है, यह सम्माना की भावना देता है। अगर घर गिराया जाता है तो अधिकारी को साबित करना होगा कि यही आखिरी रास्ता था। जब तक कोई दोषी करार नहीं दिया जाता है, तब तक वो निर्दोष है। ऐसे में उसका घर गिराना उसके पूरे परिवार को दंडित करना हुआ।

किसी निर्दोष को घर से वंचित करना पूरी तरह असंवैधानिक

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कार्यपालिका (सरकारी अधिकारी) किसी व्यक्ति को दोषी नहीं ठहरा सकती और न ही वह जज बन सकती है, जो किसी आरोपी की संपत्ति तोड़ने पर फैसला करे। कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर किसी व्यक्ति को अपराध का दोषी ठहराने के बाद उसके घर को तोड़ा जाता है, तो यह भी गलत है, क्योंकि कार्यपालिका का ऐसा कदम उठाना अवैध होगा और कार्यपालिका अपने हाथों में कानून ले रही होगी। कोर्ट ने कहा कहा कि आवास का अधिकार एक मौलिक अधिकार है और किसी निर्दोष व्यक्ति को इस अधिकार से वंचित करना पूरी तरह असंवैधानिक होगा।

संयुक्त राष्ट्र ने जताई थी आपत्ति

इससे पहले संयुक्त राष्ट्र के प्रतिवेदक (संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद द्वारा नियुक्त विशेषज्ञ) ने सितंबर में शीर्ष से कहा था कि सजा के तौर पर किए जाने वाले विध्वंस को मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन माना जा सकता है। उन्होंने कहा था कि ऐसी कार्रवाइयां अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ अपमानजनक व्यवहार के रूप में हो सकती हैं और यह राज्य के हाथों जमीन हड़पने का एक तरीका बन सकती हैं।

15 दिन पहले जारी होना चाहिए नोटिस

सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि किसी भी संपत्ति का विध्वंस तब तक नहीं किया जा सकता, जब तक उसके मालिक को पंद्रह दिन पहले नोटिस न दिया जाए। कोर्ट ने कहा कि यह नोटिस मालिक को पंजीकृत डाक के जरिए से भेजा जाएगा और इसे निर्माण की बाहरी दीवार पर भी चिपकाया जाएगा। नोटिस में अवैध निर्माण की प्रकृति, उल्लंघन का विवरण और विध्वंस के कारण बताए जाएंगे।

इसके अलावा, विध्वंस की प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी की जाएगी और अगर इन दिशा-निर्देशों का उल्लंघन होता है तो यह कोर्ट की अवमानना मानी जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आम नागरिक के लिए अपने घर का निर्माण कई वर्षों की मेहनत, सपने व आकांक्षाओं का परिणाम होता है।

छात्रों के प्रति क्रूर है सरकार का रवैया : मायावती

बसपा प्रमुख बोलीं- क्या उप्र में एक समय में परीक्षा कराने के लिए बुनियादी सुविधाओं का अभाव है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रयागराज में लोक सेवा आयोग के बाहर छात्रों के प्रदर्शन पर यूपी सियासी वार शुरू हो गया है। सपा प्रमुख, कांग्रेस के बाद बसपा ने भी योगी सरकार को घेरा है। बसपा प्रमुख मायावती ने कहा है कि गरीबी, बेरोजगारी व महंगाई आदि की गहरी मार झेल रहे छात्रों के प्रति सरकार का रवैया क्रूर नहीं बल्कि सहयोग एवं सहानुभूति का होना चाहिए।

मायावती ने कहा कि सरकार खाली पड़े सभी बैकलाग पर जितनी जल्दी भर्ती की प्रक्रिया पूरी करे, उतना बेहतर होगा। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) के पीसीएस प्री और आरओ..एआरओ की परीक्षा दो दिन में संपन्न कराने के निर्णय के विरोध में जारी छात्रों के आंदोलन के प्रति समर्थन जताते हुए बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने पूछा कि क्या उप्र के पास एक समय में परीक्षा कराने की बुनियादी सुविधाओं का इतना अभाव है कि पीसीएस आदि जैसी विशिष्ट परीक्षा दो दिन में करानी पड़ रही है। मायावती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, उत्तर प्रदेश संघ लोक सेवा आयोग द्वारा पीसीएस तथा आरओ-एआरओ की भी प्रारंभिक परीक्षा-2024 एक समय में कराने में विफलता को लेकर आक्रोशित छात्रों पर पुलिस कार्रवाई से उत्पन्न स्थिति संबंधी खबर का व्यापक चर्चा में रहना स्वाभाविक है। पेपर लीक पर रोक व परीक्षाओं की विश्वसनीयता अहम मुद्दा है, जिसके लिए एक बार में ही परीक्षा व्यवस्था जरूरी है।

लोगों को रोजी-रोजगार की है सख्त जरूरत

उन्होंने कहा कि लोगों को रोज़ी-रोज़गार की सख्त जरूरत है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) के पीसीएस प्री और आरओ..एआरओ की परीक्षा दो दिन में संपन्न कराने के निर्णय के विरोध में सोमवार को शुरू हुआ छात्र आंदोलन प्रयागराज में यूपीपीएससी मुख्यालय के सामने आज दूसरे दिन भी जारी है। देर रात जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस आयुक्त ने आयोग में बैठक की, जो बेनतीजा रही। आंदोलनकर्मी छात्रों ने रात खुले आसमान के नीचे गुजारी और मंगलवार की सुबह फिर से धरना प्रदर्शन में जुट गए।

बसपा प्रत्याशी अपने दम पर कर रहे हैं चुनाव प्रचार

प्रदेश में नौ सीटों पर हो रहे विधानसभा उपचुनाव में प्रचार के लिए बहुजन समाज पार्टी ने 40 स्टार प्रचारकों की सूची तो जारी की, लेकिन अभी तक जमीन पर कोई बड़ा नेता नजर नहीं आया है। खुद बसपा सुप्रीमो मायावती ने किसी भी प्रत्याशी के समर्थन में जनसभा को संबोधित नहीं किया है। वहीं सबसे ज्यादा डिमांड वाले पार्टी के नेशनल कोआर्डिनेटर आकाश आनंद भी यूपी उपचुनाव के प्रचार अभियान से नदारद हैं। बता दें कि बसपा ने सभी नौ सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे हैं। पार्टी को भाजपा, सपा के साथ आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) चुनौती पेश कर रही हैं। आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद यूपी उपचुनाव में खासा सक्रिय भी हैं, लेकिन बसपा के खेमे में सन्नाटा पसरा है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल अधिकतर सीटों पर प्रचार की खानापूर्ति कर रहे हैं। पार्टी ने यूपी उपचुनाव के लिए राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा को भी स्टार प्रचारक बनाया है, लेकिन उन्होंने अभी तक किसी जनसभा को संबोधित नहीं किया है। हालांकि मायावती महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव प्रचार का लगातार कार्यक्रम है। हरियाणा चुनाव के बाद आकाश आनंद की सक्रियता नहीं दिख रही है।

सत्ता के मद में बीजेपी मनमाने कानून लाद रही : इकरा

सांसद बोलीं- 2027 के विधानसभा चुनाव का रास्ता तय करेगा उपचुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अंबेडकरनगर। सपा से कैराना की सांसद इकरा हसन ने कहा कि यूपी में हो रहे उपचुनाव वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव का रास्ता तय करेंगे। भाजपा पर हमलावर रही सपा सांसद ने कहा कि सत्ता के मद में पार्टी मनमाने कानून लाद रही है। हम सभी को इसके विरोध के लिए एकजुट होना पड़ेगा। सपा सांसद मंगलवार को कटेहरी के मिझौड़ा व इल्तिफातगंज में आयोजित सभा को संबोधित कर रही थी।

उन्होंने कहा कि हमें मिलकर चुनाव लड़ना है। किसी एक जाति धर्म पर फोकस नहीं करना है। हमारी जीत 36 बिरादरी का वोट पाकर हुई थी। यहां भी हम सभी का वोट पाकर लोकसभा की तरह यह उपचुनाव जीतना होगा। सांसद ने कहा कि पूरे देश व प्रदेश की निगाह इन उपचुनावों पर है। आप लोग जानते ही हैं कि पिछले 10 वर्ष से कैसी सरकार चल रही है। यह किसी की भी हितैषी नहीं है। इन्हें महिलाओं, युवाओं, किसानों व कमजोर वर्गों की कोई परवाह नहीं। चंद सरकार चंद पूंजीपतियों के लिए ही काम कर रही है।

भाजपा का एक फॉर्मूला समाज को तोड़ो और वोट हासिल करो

सांसद इकरा हसन ने आरोप लगाया कि इनके पास सिर्फ एक फार्मूला है, काम मत करो लोगों को आपस में बांटो। समाज का तोड़ो और वोट हासिल कर लो। इससे बचने के लिए हमें एकजुट रहना होगा। कहा कि 2027 में सरकार बदलने के लिए अभी से पुख्ता तैयारी करना होगी। सभा में सांसद लालजी वर्मा, पूर्व मंत्री राम मूर्ति वर्मा, विधायक रागिनी सोनकर, सपा जिलाध्यक्ष जंगबहादुर यादव, सपा प्रत्याशी शोभावती वर्मा, जिला महासचिव मुजीब सोनू सहित अन्य सपा के अन्य प्रदेश व जिला पदाधिकारी भी मौजूद रहे। इस दौरान जयसिंहपुर के पूर्व विधायक अरुण वर्मा ने सपा सांसद का सम्मान किया।

सपा ने चलाया मतदाताओं के बीच अभियान

सपा उपचुनाव वाली 9 सीटों पर हर हाल में कब्जा करने की तैयारी में जुटी है। इसी के तहत वह जनता के बीच जाकर बीजेपी की नाकामियों का पोल खोलने के अभियान में लगी है। पार्टी अपने समर्थक मतदाताओं के बीच एक विशेष अभियान चला रही है। घर-घर जाकर उन्हें समझा रही है कि मतदान के दिन लाठी-गाली खा लेना, पर बूथ पर जाने से न रुकना। जो भी अधिकारी जुल्म करे, उसका वीडियो बना लेना, ताकि जब भी सरकार आए तो उन अधिकारियों पर कार्रवाई हो सके। सपा इससे पहले भी हुए उपचुनावों में यह आरोप लगा चुकी है कि उसके समर्थक मतदाताओं, खासकर अल्पसंख्यकों को रोकने के लिए पुलिस और प्रशासन तरह-तरह के तरीके अपनाता है। पहचान पत्र तक अपने पास रख लेते हैं। पार्टी सूत्रों का कहना है कि इस बार इससे पार पाने के लिए सपा ने विशेष रणनीति बनाई है। उपचुनाव वाली सीटों पर आसपास के क्षेत्र के पदाधिकारियों को लगाया गया है। वे घर-घर जाकर सपा नेतृत्व का संदेश दे रहे हैं कि हर हाल में बूथ तक पहुंचना है। किसी के भी दबाव डालने पर घबराना नहीं है। समर्थक मतदाताओं से भी कहा जा रहा है कि वे सपा की इस रणनीति को घर-घर तक पहुंचाएं।

चुनावी मोड में अखिलेश यादव

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आज सीसामऊ (कानपुर) में एक चुनावी जनसभा को संबोधित किया। अगले दिन 14 नवंबर को वे फूलपुर में चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। इसके लिए स्थानीय स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं।

वक्फ संशोधन के नाम पर मुसलमानों को भूमिहीन बनाने की साजिश : इमरान मसूद

» जेपीसी के अध्यक्ष जगदम्बिका पाल पर बरसे कांग्रेस सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सहारनपुर। सहारनपुर से सासंद और संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के सदस्य इमरान मसूद ने कहा कि वक्फ संशोधन के नाम पर मुसलमानों को भूमिहीन बनाने की साजिश की जा रही है। वह रविवार रात यहां मोती डूंगरी रोड पर हुई 'तहफ्फुजे औकाफ कॉन्फ्रेंस' में बोल रहे थे। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाया कि वह मुसलमानों को उनकी पुश्तैनी जमीन से बेदखल करने के मकसद से 'विमर्श' गढ़ने की कोशिश कर रही है।

मसूद ने कहा कि मुसलमानों के सार्वजनिक जमीनों पर अतिक्रमण करने संबंधी दावे ''भ्रामक'' हैं और ये प्रस्तावित संशोधन को सही ठहराने के लिए किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि केवल मुसलमानों के स्वामित्व वाली संपत्तियों को ही सरकार की जांच का सामना करना पड़ रहा है। मसूद ने कहा कि यह ''मुसलमानों को भूमिहीन करने की योजना'' का हिस्सा है। आदर्श नगर से विधायक रफीक खान ने कहा कि जेपीसी को विधेयक पर वास्तविक हितधारकों के विचारों को समझने के लिए उनसे मशविरा करना चाहिए। उन्होंने कहा, ''इसके बजाय, वह ऐसे व्यक्तियों और समूहों को समय दे रही है जो न तो हितधारक हैं और न ही उन्हें वक्फ की कोई समझ है।'' खान ने कहा, ''यह निराशाजनक है कि जेपीसी के अध्यक्ष जगदम्बिका पाल ऐसे व्यक्तियों को प्रस्तुति देने की अनुमति दे रहे हैं जिनका ध्यान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा करने या इससे इतर मामलों पर चर्चा करने पर रहता है।

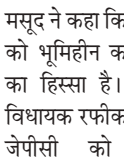

सिंधु संधि से जम्मू कश्मीर की जल विद्युत क्षमता बाधित : उमर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) मुख्य रूप से भंडारण संबंधी बाधाओं के कारण केंद्र शासित प्रदेश की विशाल जल विद्युत संभावनाओं का दोहन करने की क्षमता को बाधित कर रही है।

भारत और पाकिस्तान ने नौ वर्षों की बातचीत के बाद 1960 में सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें विश्व बैंक भी एक हस्ताक्षरकर्ता था। यह समझौता जम्मू कश्मीर में कई सीमा पार नदियों के पानी के उपयोग पर दोनों पक्षों के बीच सहयोग और सूचना के आदान-प्रदान के लिए एक तंत्र स्थापित करता है। अब्दुल्ला (जिनके पास ऊर्जा विभाग भी है) ने यहां राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के ऊर्जा मंत्रियों के सम्मेलन में कहा, संधि बाधाओं के परिणामस्वरूप, जम्मू कश्मीर को सर्दियों के महीनों में भारी कीमत चुकानी पड़ती है, जब बिजली उत्पादन कम हो जाता है, जिससे लोगों के लिए कठिनाइयां पैदा होती हैं।

बांटने नहीं जोड़ने वाली हो जायज मांग!

सियासी चाणक्य चौसर पर सेंकेंगे भविष्य की राजनीतिक गोटियां!

- वक्फ व सनातन बोर्ड पर मचेगी रार
- क्या होगा जब आमने-सामने होंगे हिंदु और मुसलमान!
- सनातन बोर्ड के वास्ते दिल्ली कूच की तैयारी
- मुसलमानों से वक्फ बोर्ड को बचाने के लिए जुटने की अपील

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। बंटोंगे तो कटोगे व एक रहोगे सेफ रहोगे जैसे जनभावनाओं को भड़काने वाले बयान व वक्फ संशोधन बिल रार के बाद एकबार फिर धार्मिक मुद्दों पर लामबंदी और सियासी माहौल गरमाने लगा है। जहां हिंदुओं व मुस्लिमों के धार्मिक समूह अपने-अपने स्तर पर आंदोलन की राह पकड़ने की चाहत में हैं वहीं बीजेपी सरकार भी इस पर मौन रहकर अपने कोर वोट को सहेजने की जुगत में लगी है।

उधर विपक्षी गठबंधन इंडिया इस मामले में संभलकर चल रही है। वह संविधान की बात करके धार्मिक आधार पर भाजपा के बांटने की राजनीति को फेल करने के प्रयास में लग गई है। इन सबके बीच अमन व शांति का झंडा बुलंद करने वाले लोग हिंदु-मुस्लिम एकता को तोड़ने के किसी भी प्रयास का मुंहतोड़ जवाब देने की कोशिश में जुट गईं हैं। कुल मिलकार किसी भी धार्मिक समूह द्वारा अपने-अपने धर्म पर बोलना कतई गलत नहीं है परंतु धर्म के नाम पर किसी प्रकार की अराजकता देश के लोकतांत्रिक परंपराओं के साथ विश्वासघात ही होगा। अब सवाल उठता है वक्फ बोर्ड की तरह सनातन बोर्ड की मांग महज जुमला है या सोची समझी चाल। एकबार मान भी लिया जाए कि हिंदु व मुस्लिम अपने धर्माचार्यों के आहवान पर एकजुट होकर एक दूसरे के सामने आ भी जाएं तो क्या होगा। विश्लेषकों का कहना है इससे खाई ही बढ़ेगी और देश का तानाबना अूटेगा। राजनीति के चाणक्यों को समझना चाहिए कि इस तरह से राजनीतिक गोटिंया खेल देश के लिए खतरनाक है।

हिंदू-मुसलमान के नाम पर बांट कर अपनी राजनीति चला रही बीजेपी : सपा

प्रयागराज के कुम्भ मेले में 50 किलोमीटर तक गैर हिंदुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध और गैर हिंदुओं को दुकान भी न लगाने देने की संत समाज की मांग पर सपा सांसद ने कहा कि यह सब भाजपा और संघ के लोग करवा रहें हैं. यह लोग समाज को हिंदू-मुसलमान के नाम पर बांट कर अपनी राजनीति चलाना चाहते हैं। सपा सांसद बर्क ने कहा कि इन लोगों को लोकसभा चुनाव में हार के बाद लगने लगा है कि उनके पैरों के नीचे से जमीन खिसक रही है और 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार आ रही है इसलिए यह लोग इस तरह की बातें कर रहे हैं। उन्होंने कहा की भाजपा के लोग धर्म के नाम पर लोगों के अंदर फूट डालना और आग लगाना और आपसी भाईचारे को तोड़ने का काम करते हैं। यह लोग अगर इस तरह की प्रथा चलाएंगे तो फिर मजबूर होकर मुसलमान भी अपने त्योहारों पर फिर इसी तरह की प्रथम चलाएंगे वह भी नहीं चाहेंगे कि दूसरे लोग उनके त्योहारों पर दुकान लगाए। सपा सांसद ने कहा कि इसलिए देश के प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री अगर वाकई देश और प्रदेश का हित चाहते हैं तो उन्हें इस तरह की प्रथाओं पर रोक लगानी चाहिए। ऐसे लोगों पर सख्त कानूनी कार्रवाई करके उन्हें जेल में डालना चाहिए ताकि हमारे देश और प्रदेश की छवि अच्छी रहे।

कथावाचक खत्री का सनातन बोर्ड के गठन की मांग

सनातन बोर्ड को बनाने के लिए लिए हिंदुओं को प्रसिद्ध कथा वाचक देवकीनंदन ठाकुर दिल्ली बुला रहे हैं, तो वक्फ बोर्ड को बहाल रखने के लिए मुस्लमानों को दिल्ली कूच का नारा मौलाना तौकीर रजा ने जयपुर से बुंलद किया है। अब दिल्ली में तय होगा कि सनातन बोर्ड बनेगा या फिर वक्फ बोर्ड की बहाली रहेगी। प्रसिद्ध कथा वाचक देवकीनंदन ठाकुर ने यूपी की राजधानी लखनउ में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर 16 नवम्बर को दिल्ली में धर्म सांसद करने का एलान किया है। उनका कहना है कि देश का साधू समाज दिल्ली में एकत्र होगा और पीएम मोदी से देश में सनातन बोर्ड के गठन की मांग करेगा। उन्होने कहा कि 100 करोड़ आबादी वाले देश की आस्था का विषय है। देवकी नंदन ने यूपी के सीएम योगी से सबसे पहले इस तरह के बोर्ड को बनाने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि सीएम योगी खुद एक संत है और उनकों पहल करनी चाहिए।

वक्फ बोर्ड संशोधन बिल पर नायडू कर सकते हैं वीटो

वक्फ बोर्ड संशोधन बिल के लिए बनी ज्वाइंट पालियमेंट्री कमेटी जेपीसी का रूख अब दक्षिण के बाद बिहार की तरफ है। दक्षिण से मिल रहे राजनीतिक रूझानों से यह कहा जा सकता है चन्द्रबाबू नायडू अपने वीटो पॉवर का इस्तेमाल करते हुए बिल को होल्ड करवा सकते हैं या रूकवा सकते हैं। उस स्थिति से उपजे राजनीतिक शून्य को भरने के लिए बीजेपी ने अपने प्लान बी पर काम करना शुरू कर दिया है। राजनीतिक विषलेशकों का यही मानना है कि अगर वक्फ बोर्ड संशोधन बिल पारित नहीं होता है तो पटल पर सनातन बोर्ड का बिल पास हो जाएगा। और बीजेपी के रणीनतिकार चाहते भी यही है?

जिहाद बनाम धर्मयुद्ध की चर्चा जोरों पर

इन दिनों महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान भी भाजपा और गैर भाजपा पार्टियों के बीच वोट जिहाद बनाम धर्मयुद्ध की चर्चा जोरों पर हैं। धर्मयुद्धों यानी क्रूसेड्स की यह खूनी और बर्बादी की कहानी तब शुरू होती है, जब 11वीं शताब्दी के आखिर तक प्राचीन ईसाई दुनिया के लगभग दो-तिहाई हिस्से पर इस्लाम ने कब्जा कर लिया था। इसमें फिलिस्तीन, सीरिया, मिस्र और अनातोलिया के महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल थे। इस्लाम के प्रसार को रोकने के लिए किए गए धर्मयुद्धों में शुरुआत में यूरोप के ईसाई देशों ने सफलता पाई। फिलिस्तीन और सीरिया में एक ईसाई राज्य की स्थापना की, लेकिन इस्लाम के लगातार विकास ने आखिरकार यूरोप की बढ़त का बंटाधार कर दिया। धर्मयुद्ध ईसाई धर्म के इतिहास में एक विवादास्पद और काला अध्याय है। इन 8 धर्मयुद्धों के दौरान अनुमानित रूप से करीब 17 लाख लोग मारे गए थे, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे थे। आज कल इसी को लेकर भाजपा राज्य में विपक्ष को घेर रही है। अब चुनावों के बाद पता चलेगा कि ये शब्द किसको चुनावी वैतरणी से पार लगवाते हैं।

मौलाना तौकीर ने जारी किया फतवा

मौलाना तौकीर रजा बरेली वाले ने एक बार फिर आग उगली है कि उसकी तपिश दूर से ही महसूस कि जा सकती है। जयपुर में उन्होंने बयान जारी किया है कि हम दिल्ली तिरंगा लेकर आएंगे अगर हमारी बात नहीं सुनी गयी तो उनकी जिम्मेदारी होगी। उन्होंने कहा कि जिस दिन हम लोग सड़कों पर उतर आएंगे तो तुम्हारी रूह कांप जाएगी। अगर कुछ होता है तो उसकी जिम्मेदारी उनकी ही होगी। उन्होंने कहा कि किसी के बाप की ताकत नहीं है कि हमारी संपत्ति पर कब्जा कर सके। हमारी तादात को छिपाते हो , जिस दिन सड़कों पर आ जाएंगे तुम्हारी रूह कांप जाएगी।

कांग्रेस देश को जोड़ने की करती है सियासत : खरगे

झारखंड में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ पर हमला बोला है। पलामू में एक जनसभा में शामिल होने के दौरान मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि पीएम मोदी कह रहे हैं एक हैं तो सुरक्षित हैं। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ कह रहे हैं बाटेंगे तो काटेंगे। उन्हें तय करने दीजिए कि कौन सा नारा चलेगा। उन्होंने कहा कि एक सच्चा योगी बांटेगे तो कांटेगे जैसी भाषा का इस्तेमाल नहीं कर सकता। ये लोग अब देश तोड़ने पर उतर आए हैं। इसलिए ऐसी भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है। अगर वो कांग्रेस की तरह सबको साथ लेकर काम करते तो ऐसी बातें नहीं होतीं। उनकी मंशा एकता को खत्म करने और अपना वर्चस्व दिखाने की है। जबकि हमने देश को सुरक्षित रखा है। खरगे ने कहा कि पीएम के आदेश पर कांग्रेस नेताओं के खिलाफ ईडी और सीबीआई जांच कराई जा रही है। हम इससे डरने वाले नहीं हैं। हमने आजादी के लिए बलिदान दिया है। चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि हर पार्टी और हर नेता अपने कार्यकर्ताओं पर भरोसा रखता है और हमें चुनाव जीतने की उम्मीद है। मुझे उम्मीद है कि गठबंधन 100प्रतिशत जीतेगा और झारखंड में सरकार बनाएगा। महाराष्ट्र में भी हम अच्छी स्थिति में हैं। हर कोई मिलकर काम कर रहा है और हमारा गठबंधन अपनी सरकार बनाएगा। सोनिया गांधी ने राजीव गांधी के एक हत्यारे को माफ कर दिया, प्रियंका गांधी ने हत्यारे को गले लगा लिया, यह कांग्रेस की करुणा है।

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

परीक्षार्थियों की बात मानें सरकार!

"प्रतियोगी छात्रों का विरोध-प्रदर्शन जारी है। इसको लेकर राजनीति भी हाई है। पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने छात्रों का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी वाले चुनाव तो पूरे देश में एक साथ करवा सकते हैं, लेकिन प्रदेश में एक साथ परीक्षा नहीं करवा सकते। भाजपा के एजेंडे में सिर्फ़ 'चुनाव है और भाजपा राज में अभ्यर्थियों के हिस्से में आया सिर्फ़ 'तनाव है।

यूपी सरकार को हठ छोड़कर परीक्षार्थियों की बात माननी चाहिए। दरअसल, प्रयागराज में यूपीपीएसी परीक्षा की डेट को लेकर सोमवार सुबह से ही छात्र विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। रातभर उनको मनाने की कोशिशें होती रही, लेकिन बातचीत बेनतीजा रही। प्रतियोगी छात्रों का विरोध-प्रदर्शन जारी है। इसको लेकर राजनीति भी हाई है। पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने छात्रों का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी वाले चुनाव तो पूरे देश में एक साथ करवा सकते हैं, लेकिन प्रदेश में एक साथ परीक्षा नहीं करवा सकते।भाजपा के एजेंडे में सिर्फ़ 'चुनाव है और भाजपा राज में अभ्यर्थियों के हिस्से में आया सिर्फ़ 'तनाव है। उधर इन छात्रों ने कहा कि सीएम योगी जी नारा देते हैं तो बटेंगे तो कटेंगे तो वही हमारी प्रमुख मांग है कि दो शिफ्ट में एक्जाम करेंगे तो हमारा नुकसान होगा।

वन डे वन शिफ्ट की हमारी मांग है, पेपर बंटेंगे तो हमारे नंबर कटेंगे, हम जब तक नहीं हटेंगे जब तक आयोग हमको नोटिस नहीं देता। वन नेशन वन इलेक्शन की बात कर सकते हैं तो एक शिफ्ट में एक्जाम आयोजित क्यों नहीं करवा सकते। हम न बंटेंगे, न कटेंगे और न ही हटेंगे। दरअसल यूपी पीसीएस की परीक्षा 7 और 8 दिसंबर को होनी है। आरओ, एआरओ की परीक्षा 22 और 23 को दिसंबर को है। एग्जाम पहले मार्च में होना था, लेकिन टाल दिया गया। आरओ, एआरओ का एग्जाम फरवरी में हुआ, लेकिन पेपर लीक से टल गया। अब दोनों परीक्षाएं दिसंबर में दो दिन और अलग-अलग पालियों में होंगी। पीसीएस की परीक्षा मार्च में टालने के बाद आयोग ने पीसीएस के एग्जाम अक्तूबर में करवाने की बात कही लेकिन फिर टल गया और दिसंबर में परीक्षा की नई डेट आई। एक दिन, एक शिफ्ट वाला एग्जाम का पैटर्न बदला गया। आयोग ने कहा कि पीसीएस एग्जाम दो दिन में 2 शिफ्ट में लेंगे। वहीं छात्रों को एक शिफ्ट में एक परीक्षा होगी तो एक पेपर आएगा,दो शिफ्ट में परीक्षा होगी तो दो अलग-अलग पेपर आएंगे। कोई एक पेपर आसान या फिर मुश्किल हो सकता है.ऐसे में परीक्षा में छात्रों की रैंकिंग पर असर पड़ सकता है, दो एग्जाम के नॉर्मलाइजेशन फॉर्म्यूले से भी छात्र खुश नहीं। आयोग एक शिफ्ट में एक पेपर क्यों नहीं करवा सकता? सरकार का तर्क पेपर लीक और अव्यवस्था रोकने के लिए यह व्यवस्था की गई है। छात्रों का कहना है कि सरकार को आखिर डर क्या है, सभी 75 जिलों में ही परीक्षा हो, जैसे पहले होती आई है। देखा जाए तो अभ्यर्थियों की मांग जायज है आखिर उन्हे अपने भविष्य के बारे में सोचे का अधिकार है। चूकि वह पहले से ही परीक्षा देते आए हैं ऐसे में सरकार को अभ्यर्थियों की मांग पर विचार करना चाहिए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सख्त कानूनी प्रावधानों से ही अपराधियों पर शिकंजा

डॉ. यश गोयल

अजीब बात है कि कोई भी शरारती और सिरफिरा इंसान किसी भी क्षण हवाई जहाज को अकारण उड़ाने की धमकी भरी ईमेल भेजकर एयरलाइंस इंडस्ट्री के लिये संकट पैदा कर देता है। यह खतरा तब और अधिक गहरा हो जाता है जब ये 'धमकी' फ्लाइट के टेक ऑफ करने के बाद एयरपोर्ट अधिकारियों को मिलती है। कुछ महीनों में ऐसी धमकियों की संख्या अब सैकड़ों में पहुंच चुकी है। कुछ धमकी देने वाले पुलिस की गिरफ्त में भी आये हैं परंतु उपयुक्त सख्त कानून के अभाव में पुलिस और केंद्र सरकार किसी नतीजे तक नहीं पहुंच सकी है, जिससे कोई नीति का निर्धारण हो सके। इस समस्या पर कई प्रश्न उभरते हैं। वैसे 24 दिसम्बर, 1999 में प्लेन आईसी-814 कंधार-हाइजेक और आतंकवादियों की रिहाई के बाद प्लेन हाइजेक की कोई बड़ी घटना भारत में नहीं हुई है।

घटना के बाद हवाई जहाज यात्रियों और हर प्लेन के उड़ने से पहले उसकी सुरक्षा की जांच बहुत सघन और सुदृढ़ तरीके से होती है। एयरपोर्ट अथॉरिटी व एयरलाइंस कहीं कोई रिस्क नहीं लेना चाहते। आज आधुनिक टेक्नोलॉजी के युग में व्यवस्था को चाक-चौबंद बनाने में मदद मिली है। सवाल उठता है कि ऐसे 'फुलप्रूफ सिस्टम' होने पर भी धमकी भरी ईमेल से सरकारी और एयरपोर्ट तंत्र क्यों घबरा जाता है? बड़ा आश्चर्य होता है कि हमारे देश की सरकार के जिम्मेदार मंत्रियों की तरफ से भरोसा दिलाने वाला बयान क्यों नहीं आता? एक धमकी के बाद जगह-जगह मॉक ड्रिल होती है। सुरक्षा चाक-चौबंद कर दी जाती है। यात्री को दो या तीन घंटे पहले चेक-इन कराई जाती है। यात्री के साथ उसके सामान की तलाशी, स्निफर डॉग, सशस्त्र सुरक्षा बल और सीसीटीवी की नजर में हवाई यात्राएं होती हैं। लेकिन इस सबके बावजूद एक ईमेल-थ्रेट पूरे सिस्टम को फिर से पंजों पर खड़ा कर देता है। चार-पांच घंटों के लिये अफरा-तफरी मच जाती है। अगर सिर्फ एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी है तो पूरा एयरपोर्ट सिस्टम थम जाता है। हर चीज की मेटल डिटेक्टर से जांच, सभी कर्मचारियों और रुके हुए यात्रियों को 'आइसोलेट' कर दिया जाता है। बम स्क्वाड दस्ते, स्निफर डॉग्स, इंटेलिजेंस एजेंसियां, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल और स्थानीय पुलिस सक्रिय होकर जांच करती हैं। एयरपोर्ट पर खड़े हवाई जहाज को भी आइसोलेट कर दिया जाता है। अभी तक के ऐसे मामलों में किसी घातक वस्तु मिलने की जानकारी मीडिया को नहीं मिली है। अगर कोई एलर्ट किसी फ्लाइट

के लिये होता है तो उस उड़ती फ्लाइट की आपातकालीन लैंडिंग कराई जाती है- किसी भी निकटतम रनवे पर। सबसे पहले यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला जाता है। सीआईएसएफ जवान प्लेन का सघन निरीक्षण करते हैं। पुलिस ईमेल थ्रेट को डिटेक्ट करने में लग जाती है। इससे यात्रियों को जो तकलीफ और यात्रा का विलम्ब होता है उसकी कल्पना नहीं की जा सकती है। उनके महत्वपूर्ण कार्य विलम्ब से होते हैं या रद्द हो जाते हैं। समाचारों से पता चलता है किसी का इंटरव्यू रह गया, उच्चस्तरीय सरकारी मीटिंग्स कैंसिल हो गयीं, किसी की इंटरनेशनल फ्लाइट मिस हो गयी। हर यात्री का कुछ नुकसान जरूर होता है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय भी मानता है कि वर्तमान में, ऐसे मामलों में मुकदमा चलाने के लिए कोई प्रत्यक्ष कानूनी प्रावधान नहीं हैं। लेकिन भारतीय न्याय संहिता, 2023 और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धाराओं में कुछ कानूनी उपाय जरूर हैं। उदाहरण के लिए, बीएनएस की धारा 353 के तहत, सार्वजनिक अलार्म पैदा करने वाली झूठी सूचना फैलाने वालों को तीन साल तक की जेल या जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। धारा 351 आपराधिक धमकी को संबोधित करती है, जिसमें मौत, गंभीर चोट या आगजनी की धमकी के लिए सात साल तक की जेल की सजा हो सकती है। गुमनाम धमकियों के लिए अतिरिक्त दो साल की सजा हो सकती है। डिजिटल चैनलों के माध्यम से की गई फर्जी कॉल या महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे में हस्तक्षेप करने के लिए, आईटी अधिनियम की धारा 66 एफ को लागू किया जा सकता है। जो ऐसे कृत्यों को साइबर आतंकवाद के रूप में वर्गीकृत करता है, संभावित रूप से आजीवन कारावास से दंडनीय है। मंत्रालय के अनुसार विमानन-विशिष्ट नियमों में बदलाव किए जा सकते हैं।

मंत्रालय और एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार हर फ्लाइट के साथ ही एक सीआईएसएफ के जवान को सादी वर्दी में 'एयर मार्शल' का दर्जा देकर प्लेन में एक साधारण यात्री की तरह बोर्डिंग कराई जायेगी। जो किसी भी एलर्ट, और अनहोनी का सामना करने को सक्षम हो सकेगा। एयरपोर्ट के एक उच्च अधिकारी के अनुसार एयरलाइंस और एयरपोर्ट (भले प्राइवेट सेक्टर का हो) 0.001 प्रतिशत भी बम की धमकी को हल्के में नहीं ले सकता। भले इसमें हम कितने ही फुलप्रूफ क्यों न हों। चाहे एयर लाइंस और एयरपोर्ट को एक धमकी से निपटने और उबरने से लाखों रुपयों का आर्थिक नुकसान क्यों न हो? हर यात्री की जीवन सुरक्षा ही परम उद्देश्य है। निस्संदेह, यात्रियों की तकलीफ को जितना बयां करो उतना कम होता है। अब कई जगह इससे जुड़े शरारती तत्व साइबर क्राइम सेल द्वारा पकड़े जा रहे हैं। लेकिन अगर कानून सख्त हुए तो ये धमकियां समाप्त हो सकेंगी।

विकास के भ्रम में पर्यावरणीय प्रलय को आमंत्रण

अविजित पाठक

इन दिनों, खुद की पीठ ठोंकने के लायक बात है कि यह लेखक कार खरीदने के प्रलोभन से बचा हुआ है। वास्तव में, जिस शख्स को पैदल चलना बहुत पसंद हो, उसे यह सोचकर अच्छा लगता है कि इस नैसर्गिक कार्य से कोई कार्बन उत्सर्जन नहीं होता, और वह न्यूनतम ही सही, जलवायु आपातकाल के खतरे से निपटने में अपना योगदान कर रहा है। हालांकि, पैदल यात्री को आजकल एक बाधा के रूप में देखा जाता है। आखिरकार ऐसा लगता है, हमारे राजमार्ग, सड़कें/गलियां सिर्फ कारों, मोटरबाइक और अन्य वाहनों के लिए ही हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि शांति से चलना या बिना किसी चिंता के सड़क पार करना लगातार मुश्किल होता जा रहा है। विद्रूपता यह कि अगर आप कार्बन उत्सर्जन को कम करने में एक भूमिका निभाना चाहते हैं- भले ही वह कितनी भी न्यूनतम हो- तो आपकी जरूरत नहीं है।

भले ही वैज्ञानिक और पर्यावरणविद हमें बार-बार याद दिला रहे हैं कि जीवाश्म ईंधन निरंतर जलने के कारण दुनिया जलवायु आपातकाल की स्थिति में पहुंच चुकी है, फिर भी हम पेड़ काटने, मेगा एक्सप्रेसवे बनाने, गति एवं गतिशीलता का महिमामंडन करने, कार खरीदने (अधिक से अधिक बड़ी) और कस्बों/शहरों को इस तरह से डिजाइन करने से कभी नहीं थकते कि पैदल चलना या साइकिल चलाना लगभग असंभव हो जाए। दिल्ली सांख्यिकी पुस्तिका 2023 के आंकड़े भयावह हैं। राष्ट्रीय राजधानी में पंजीकृत वाहनों की कुल संख्या 1.2 करोड़ थी, जिनमें से 33.8 लाख निजी वाहन थे। यह खेल जारी है, भले ही वाहनों से निकलने वाला उत्सर्जन दिल्ली के प्रदूषण का लगभग 38 प्रतिशत है। यह पूरी तरह आत्मघाती है। उदाहरण के लिए, बेंगलुरु के भाग्य की कल्पना करें-एक शांत शहर का शोरगुल भरे क्षेत्र में बदल जाना, जो अब अपने कुख्यात ट्रैफिक जाम के लिए जाना जाता है। जैसा कि एक रिपोर्ट बताती है, 23 लाख से अधिक निजी कारों वाले इस शहर में वाहन से महज 10 किमी की दूरी तय करने में औसतन 30 मिनट खप जाते हैं!

ऐसा लगता है कि हम एक दुष्चक्र में फंस गए हैं अधिक कारें, अधिक ट्रैफिक जाम, अधिक फ्लाईओवर, अधिक एक्सप्रेसवे, अधिक प्रदूषण। फिर भी, तकनीक-पूंजीपति, ठेकेदार और राजनेता लॉबी ने जल्द ही चालू किए जाने वाले एक अन्य एक्सप्रेसवे का महिमामंडन करना शुरू कर दिया है। जी हां, 264 किलोमीटर लंबा यह दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे आपको इन दोनों शहरों के बीच सिर्फ 2.5 घंटे में यात्रा करने लायक बनाएगा! और हमेशा की तरह, हम किसी फैंसी कार का नवीनतम मॉडल खरीदकर, इस आकर्षक एक्सप्रेसवे पर ड्राइव करने को ललचाएंगे, जिसका रोमांच अति-आधुनिक समय में धर्म-सा बन गया है- तेज और तेज गति। और हम आसानी से यह भूल रहे हैं कि इस एक्सप्रेसवे को बनाने में, खुद भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के आंकड़ों के मुताबिक 7,555 पेड़ पहले ही गिराए जा चुके हैं! पेड़ों के दर्द और परिणाम में बनने वाली मानवीय त्रासदियों की किसे परवाह?

इसी तरह, विकास की आधुनिकतावादी भेड़चाल में निहित गति/गतिशीलता ने भारत में घरेलू हवाई यात्री यातायात में जबरदस्त वृद्धि की है, 2024 में हवाई यात्रायों की संख्या 15 करोड़ पार करने की उम्मीद है। 'प्रगति' की इन गाथाओं के बीच, क्या हमने यह सोचने-समझने की जहमत उठाई कि परिवहन के साधनों में हवाई यात्रा सबसे ज्यादा कार्बन-उत्सर्जन करने वाली गतिविधि है? ऐसा लगता है कि हम इसकी कीमत चुकाने को तैयार हैं। मेट्रो शहरों में हम प्रदूषित सांसें ले रहे हैं, पार्किंग की जगह को लेकर अपने पड़ोसियों से झगड़ते हैं और गति एवं शोर के निरंतर संपर्क में रहने के कारण उच्च रक्तचाप और मधुमेह से पीड़ित हो रहे हैं। और मुझे लगता है कि गति और गतिशीलता के प्रति इस आसक्ति का विरोध किया जाना चाहिए जिसका प्रतीक हमारे एक्सप्रेसवे और हवाई अड्डे हैं। यह लेखक 'धीमेपन' की लय का आनंद लेता है। गति के प्रति हमारे आकर्षण का एक अन्य परिणाम है- उपभोक्तावादी पंथ। 'एक खरीदो, एक मुफ्त पाओ'- बाजार द्वारा संचालित यह मंत्र हमें अधिक खरीदने और उपभोग करने के लिए उकसाता है, चाहे यह नवीनतम इलेक्ट्रॉनिक सामान हो, कोई फैंसी परिधान, आलू चिप्स या डिटर्जेंट पाउडर का पैकेट, या फिर नया स्मार्टफोन।

उपभोगवाद का यह सामान्यीकरण पर्यावरण को और प्रदूषित करता है। इन उत्पादों को बनाने के लिए विशालकाय कारखाने और ढुलाई परिवहन के परिचालन के वास्ते भारी मात्रा में ऊर्जा की आवश्यकता होती है। जिससे कार्बन उत्सर्जन बढ़ता है। इसी तरह, कपड़ा उत्पादन में हर साल लाखों टन गूदड़ का कचरा पैदा होता है, और बहुत कम कपड़े ही रिसाइकिल हो पाते हैं। इसके अलावा, जैसे-जैसे ई-कॉमर्स ने पैक किए सामानों पर हमारी निर्भरता बढ़ाई है, प्लास्टिक में लिपटे लाखों पैकेज भारी मात्रा में कचरा पैदा करते हैं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि प्लास्टिक जीवित प्राणियों को हानिकारक रसायनों के संपर्क में लाता है जो कैंसर और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकते हैं। इसी प्रकार, इलेक्ट्रॉनिक्स गैजेट्स में दुर्लभ धातुएं होती हैं जो अक्सर लैंडफिल में निपटाई जाती हैं। इसके अलावा, प्लास्टिक का कचरा समुद्र में पहुंचकर समुद्री जीव प्रजातियों को गंभीर नुकसान पहुंचा रहा है। फिर भी, पूंजीवाद का सिद्धांत हमें अधिक खरीदने, और अधिक उपभोग करने और इस तरह पृथ्वी के पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचाने के लिए उकसाता रहता है।

चिलगोजा

कई स्वास्थ्य समस्याओं से बचाने में है मददगार

चिलगोजा की सही मात्रा

चिलगोजा एक अत्यधिक पौष्टिक नट्स है, लेकिन इसे सीमित मात्रा में ही खाना चाहिए। दिन में 15-20 ग्राम चिलगोजा का सेवन पर्याप्त होता है। यह लगभग एक मुट्ठी के बराबर होता है। ज्यादा मात्रा में खाने से शरीर में अतिरिक्त कैलोरी जा सकती है, जो वजन बढ़ाने का कारण बन सकती है। अगर आप किसी विशेष चिकित्सा स्थिति से ग्रस्त हैं, तो इसे अपने डॉक्टर की सलाह से ही शामिल करें।

सूखा मेवा जैसे बादाम, अखरोट आदि सेहत के लिए स्वास्थ्यवर्धक ड्राई फ्रूट्स की श्रेणी में शामिल हैं। इनमें से एक ड्राई फ्रूट है, जिसे अक्सर लोग अपनी डाइट में शामिल करना भूल जाते हैं। इस मेवे का नाम चिलगोजा है। चिलगोजा हिमालयी क्षेत्र में पाए जाने वाला स्वादिष्ट नट्स है, जो सेहत के लिए अत्यधिक फायदेमंद है। इसमें प्रोटीन, विटामिन और मिनरल्स भरपूर मात्रा में होते हैं, जो कई स्वास्थ्य समस्याओं से बचाने में मदद करते हैं। चिलगोजा एक अद्भुत ड्राई फ्रूट है, जिसमें कई स्वास्थ्य लाभ छिपे हुए हैं। इसके नियमित सेवन से आप न केवल अपने हृदय को स्वस्थ रख सकते हैं, बल्कि मस्तिष्क, त्वचा और बालों को भी मजबूती प्रदान कर सकते हैं। हालांकि, इसका सेवन सही मात्रा और तरीके से ही करना चाहिए, ताकि इसके अधिकतम फायदे प्राप्त हो सकें। बता दें चिलगोजे में विटामिन-ए, ई, बी1, बी2, सी, कॉपर मैग्नीशियम, जिंक, कैल्शियम और आयरन भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

खाने का समय

चिलगोजा को दिन के किसी भी समय खाया जा सकता है, लेकिन इसके सेवन का सबसे अच्छा समय सुबह का माना जाता है। इसे नाश्ते में या सुबह के नाश्ते के साथ खाया जा सकता है, जिससे पूरे दिन शरीर को ऊर्जा मिलती रहे। आप इसे स्नैक्स के रूप में भी खा सकते हैं, जब आपको बीच-बीच में भूख महसूस होती हो।

ऊर्जा का उत्तम स्रोत

चिलगोजा में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट्स और आवश्यक फैट्स की अच्छी मात्रा होती है, जो शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा प्रदान करती है। यह कमजोरी और थकान को दूर करने में मददगार होता है।

वजन घटाने में सहायक

चिलगोजा में पाइनोलेनिक एसिड पाया जाता है, जो भूख को नियंत्रित करने में मदद करता है। यह शरीर में ऊर्जा की मात्रा को बढ़ाते हुए वजन घटाने की प्रक्रिया को तेज करता है।

हृदय के लिए लाभदायक

चिलगोजा में पाया जाने वाला मोनोअनसैचुरेटेड फैट (गुड फैट) हृदय के लिए फायदेमंद होता है। क्योंकि यह कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करता है, जिससे दिल की बीमारियों का खतरा कम हो जाता है।

त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद

इसमें मौजूद विटामिन ई और एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को नमी प्रदान करते हैं, जिससे त्वचा कोमल और चमकदार बनती है। इसके नियमित सेवन से बाल भी मजबूत और स्वस्थ रहते हैं। चिलगोजा में जिंक, विटामिन बी कॉम्प्लेक्स, और आयरन जैसे तत्व होते हैं, जो शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करते हैं। यह बीमारियों से लड़ने में मददगार होता है।

सेवन का सही तरीका

चिलगोजा को कई तरीकों से खाया जा सकता है। आप इसे कच्चा खा सकते हैं या इसे हल्का रोस्ट करके इस्तेमाल कर सकते हैं। रोस्ट करने से इसका स्वाद और भी बेहतर हो जाता है, लेकिन ध्यान रहे कि ज्यादा भूनने से इसके पोषक तत्व नष्ट हो सकते हैं। चिलगोजा को सलाद, स्मूदी, या ओटमील के ऊपर डालकर भी खाया जा सकता है। इसे मिठाइयों या केक में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके अलावा, इसे पेस्ट बनाकर भी कई व्यंजनों में प्रयोग किया जा सकता है।

हंसना मना है

पत्नी- सुनो जी अखबार में खबर है कि एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को बेच डाला? पति- ओह! कितने में? पत्नी एक साइकिल के बदले में, कहीं तुम भी तो ऐसा नहीं करोगे, पति- मैं इतना मूर्ख थोडे ही हूं, तुम्हारे बदले में तो कार आ सकती हैं।

पत्नी- शादी के पहले तुम बहुत मंदिर जाते थे, अब क्या हो गया.. पति- फिर तुमसे शादी हो गई, और मेरा भगवान पर से भरोसा ही उठ गया?

पोता- दादी आपने कौन-कौन से देश घूमे हैं? दादी- अपना पूरा हिंदुस्तान, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, उजबेकिस्तान। पोता- दादी अब कहां घूमोगी? पीछे से छोटा पोता बोला- कब्रिस्तान?

मोनू- ओए तेरा सिर कैसे फट गया? सोनू- चप्पल से पत्थर तोड़ रहा था। मोनू- लेकिन उसमें सिर कहां से आया? सोनू - बगल से गुजरते हुए एक आदमी ने कहा कभी खोपड़ी का इस्तेमाल भी कर लिया करो।

भिखारी- कुछ खाने को दे दे बेटा मैं बहुत लाचार हूं, आदमी- देखने में तो हट्टे-कट्टे हो फिर लाचार किससे हो..? भिखारी- अपनी आदत से?

कहानी | चींटी और टिड्डा

एक बार गर्मी के मौसम में एक चींटी कड़ी मेहनत से अपने लिए अनाज जुटा रही थी। वह सोच रही थी कि धूप तेज हो जाए, इससे पहले क्यों न अपना काम पूरा कर लिया जाय। वह रोजाना खेत से उठाकर दाने अपने बिल में जमा करती थी। वहीं, पास में ही एक टिड्डा फुदक रहा था। मस्ती में वह नाच रहा था। पसीने से तरबतर चींटी अनाज लेकर बिल की तरफ जा रही थी, तभी टिड्डा फुदककर उसके सामने आ गया। बोला, प्यारी चींटी क्यों इतनी मेहनत कर रही हो। आओ मजे करें। चींटी ने टिड्डे को नजरअंदाज किया और खेत से उठाकर एक-एक दाना अपने बिल में जमा करती रही। मस्ती में डूबा टिड्डा चींटी को देखकर हंसता और मजाक उड़ाता। टिड्डा की हरकतों से चींटी परेशान हो गई। उसने समझाते हुए कहा, सुनो टिड्डा- ठंड का मौसम कुछ दिन बाद ही आने वाला है। तब खूब बर्फ गिरेगी। कहीं भी अनाज नहीं मिलेगा। मेरी सलाह है, अपने खाने का इंतजाम कर लो। धीरे-धीरे गर्मी का मौसम खत्म हो गया। मस्ती में डूबे टिड्डे को पता ही नहीं चला कि गर्मी कब खत्म हो गई। बारिश के बाद ठंड आ गई। कोहरे और बर्फबारी की वजह से बमुश्किल सूरज के दर्शन हो रहे थे। टिड्डे ने अपने खाने के लिए बिल्कुल भी अनाज नहीं जुटाया था। हर ओर बर्फ की मोटी चादर पड़ी थी। भूख से टिड्डा तड़पने लगा। टिड्डे के पास बर्फबारी और ठंड से बचने का भी इंतजाम नहीं था। तभी उसकी नजर चींटी पर पड़ी। अपनी बिल में चींटी मजे से जमा किए हुए अनाज खा रही थी। तब टिड्डे को एहसास हुआ कि समय को बर्बाद करने का उसे फल मिल चुका है। भूख और ठंड से तड़पते टिड्डे की फिर चींटी ने मदद की। खाने के लिए उसे कुछ अनाज दिए। चींटी ने ठंड से बचने के लिए खूब घास-फूस जुटाए थे। उसी से टिड्डे को भी अपना घर बनाने के लिए कहा।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

व्यवसाय ठीक चलेगा। पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। व्यय होगा। प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में नए अनुबंध लाभकारी रहेंगे। परिश्रम का अनुकूल फल मिलेगा।

वृषभ

यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। रोजगार मिलेगा। जोखिम न लें। अप्रत्याशित लाभ संभव है। धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी।

मिथुन

विवाद से क्लेश होगा। फालतू खर्च होगा। पुराना रोग परेशान कर सकता है। जोखिम न लें। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा।

कर्क

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न उठाएं। आज का दिन आपके लिए शुभ रहने की संभावना है।

सिंह

मेहनत का फल मिलेगा। योजना फलीभूत होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कर्ज से दूर रहना चाहिए। खर्च में कमी होगी। प्रतिष्ठितजनों से मेल-जोल बढ़ेगा।

कन्या

धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। क्रय-विक्रय के कार्यों में लाभ होगा। योजनाएं बनेंगी। उच्च और बौद्धिक वर्ग में विशेष सम्मान प्राप्त होगा। चोट व रोग से बचें।

तुला

व्यापारिक लाभ होगा। संतान के प्रति झुकाव बढ़ेगा। शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होगी। कुसंगति से हानि होगी। वाहन मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

वृश्चिक

राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। जायदाद संबंधी समस्या सुलझने के आसार बनेंगे।

धनु

संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। धैर्य एवं शांति से वाद-विवादों से निपट सकेंगे। दुस्साहस न करें।

मकर

किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ होगा। धन संचय की बात बनेगी। परिवार के कार्यों पर ध्यान देना जरूरी है।

कुम्भ

बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। थकान रहेगी। व्यापार-व्यवसाय संतोषप्रद रहेगा। आपसी संबंधों को महत्व दें।

मीन

मेहनत का फल कम मिलेगा। कार्य की प्रशंसा होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी। संतान की शिक्षा की चिंता समाप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

श्याम सिंह रॉय की शूटिंग में मुझे भारी दिक्कतें हुई थीं: साई

साई पल्लवी साउथ सिनेमा की पॉपुलर स्टार हैं। एक्ट्रेस जल्द ही बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली हैं। वो रणबीर कपूर स्टारर रामायण में सीता का रोल निभाती दिखेंगी। साई बेहद ही डेडिकेटेड एक्ट्रेस मानी जाती हैं। उनके बारे में कहा जाता है कि वो बिना शिकायत के काम करती हैं। श्याम सिंह रॉय फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्हें भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा था लेकिन वो बिना किसी नखरे के चुपचाप काम करती रही थीं। हालांकि एक दिन वो सेट पर अपने मेकअप रूम में फूट-फूट कर रो पड़ीं। क्योंकि उनसे वो स्ट्रेस नहीं झेला गया। असल में उस दिन क्या हुआ था इसका खुलासा खुद साई ने किया। साई ने बताया कि श्याम सिंह रॉय की शूटिंग उनके लिए आसान नहीं थी। इंटेंस सीन्स और शेड्यूल ने साफतौर से उन पर शारीरिक और भावनात्मक रूप से भारी असर डाला था। उन्होंने शेयर किया कि क्योंकि ज्यादातर सीन्स लगभग लगातार 30 दिनों तक रात में शूट किए गए थे, वो बहुत कम नींद ले पा रही थीं। साई बोलीं- श्याम सिंह रॉय की शूटिंग के दौरान, मैं दिन की शूटिंग खत्म करके ही खुश हो जाती। हमारे ज्यादातर सीन रात में शूट किए गए थे और मुझे रात की शूटिंग पसंद नहीं है। मैं ऐसी इंसान हूं जो दिन में सो नहीं सकती। तो, सोचिए कि पूरी रात जागने के बाद ना सो पाना और अगले दिन फिर से जागना। ये सिर्फ एक या दो दिन के लिए नहीं था, बल्कि ये लगभग 30 दिनों तक चला। मुझे याद है कि एक बार मैं खुद को संभाल नहीं पाई और रो पड़ी थी और खुद से सोच रही थी-'मैं फिल्मों में काम करना चाहती हूं, लेकिन मैं चाहती हूं कि मुझे एक दिन की छुट्टी मिल जाए।' मैंने इसके बारे में कभी किसी को नहीं बताया, लेकिन मेरी छोटी बहन ने मुझे रोते हुए देखा और सीधे प्रोड्यूसर को बताया, उन्होंने मुझे आराम करने के लिए 10 दिन की छुट्टी दे दी।

रूह बाबा की भूल भुलैया 3 ने दो सौ करोड़ का आंकड़ा किया पार

कार्तिक आर्यन की लेटेस्ट रिलीज हॉरर कॉमेडी फिल्म 'भूल भुलैया 3' बॉक्स ऑफिस पर शानदार परफॉर्म कर रही है। दिलचस्प बात ये है कि दिवाली रिलीज इस फिल्म ने अजय देवगन की एक्शन थ्रिलर 'सिंघम अगेन' को मात दे दी है। चलिए यहां जानते हैं 'भूल भुलैया 3' ने रिलीज के 11वें दिन यानी दूसरे मंडे कितने नोट बटोरे हैं?

अनीस बज्मी निर्देशित 'भूल भुलैया 3' में कार्तिक आर्यन ने रूह बाबा के अपने किरदार में कमबैक किया है। वहीं विद्या बालन भी फिर 'मंजुलिका' की भूमिका में नजर आ रही हैं। इनके अलावा माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी ने भी फिल्म में अपनी दमदार अदाकारी दिखाई है। हॉरर प्लस कॉमेडी के ब्लेंड वाली इस फिल्म ने दर्शकों का दिल जीत लिया है। इसी के साथ 'भूल भुलैया 3' बॉक्स ऑफिस पर भी खूब कमाई कर रही है। ये फिल्म अपना बजट (150 करोड़) पहले ही वसूल कर चुकी है और अब हर दिन करोड़ों में मुनाफा बटोर रही है और इसकी बॉक्स ऑफिस पर पकड़ मजबूत बनी हुई है

फिल्म की कमाई की बात करें तो 35.5 करोड़ से खाता खोलने वाली 'भूल भुलैया 3' ने पहले हफ्ते में 158.25 करोड़ रुपयों का कलेक्शन किया था। वहीं दूसरे फाइड फिल्म ने 9.25 करोड़, दूसरे शनिवार 15.5 करोड़ और दूसरे रविवार 16 करोड़ का कारोबार किया। वहीं अब फिल्म की रिलीज के 11वें दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं।

सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'भूल भुलैया 3' ने रिलीज के 11वें दिन 5 करोड़ की कमाई की है। इसी के साथ 'भूल भुलैया 3' की 11 दिनों का कुल कलेक्शन अब 204.00 करोड़ रुपये हो गया है।

250 करोड़ का आंकड़ा छूने को तैयार फिल्म

'भूल भुलैया 3' बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा बनाए हुए है। फिल्म की अब तक की कमाई का ग्राफ शानदार रहा है। यहां तक कि ये फिल्म अजय देवगन की सिंघम अगेन पर भी भारी पड़ रही है। 11वें दिन भी जहां सिंघम अगेन ने 4.25 करोड़ की कमाई की तो वहीं 'भूल भुलैया 3' का कलेक्शन 5 करोड़ रुपये रहा। फिल्म की कमाई की रफ्तार देखते हुए इसके तीसरे वीकेंड तक 250 करोड़ का आंकड़ा पार करने की उम्मीद लग रही है।

पुष्पा 2 में श्रीलीला लगायेंगी डांस का तड़का

अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 साल की मच अवेटेड फिल्मों में से एक है। इस मूवी का पहला पार्ट ब्लॉकबस्टर रहा था। वहीं सीक्वल को लेकर भी फैंस में जबरदस्त एक्साइटमेंट है। इन सबके बीच मेकर्स ने फिल्म को लेकर और ज्याजा हाईप बढ़ाते हुए अनाउंस कर दिया है की साउथ सिनेमा की पॉपुलर एक्ट्रेस श्रीलीला अब पुष्पा 2: द रूल में एक स्पेशल गाने के जरिए दर्शकों का दिल जीतने वाली हैं।

पुष्पा 2 में अल्लू अर्जुन पुष्पा राज के रूप में एक बार फिर अपनी धमाकेदार वापसी करेंगे, जबकि रश्मिका मंदाना श्रीवल्ली का किरदार निभाएंगी। वहीं श्रीलीला का फिल्म में डांस नंबर अनाउंस कर मेकर्स ने फैंस को एक्साइट कर दिया है। और लग रहा कि ये डांस नंबर भी जबरदस्त हिट रहेगा. वहीं मेकर्स ने एक शानदार पोस्टर के साथ खुलासा किया है कि पुष्पा 2: द रूल में श्रीलीला एक स्पेशल सॉन्ग करती नजर आएंगीं।

पुष्पा: द राइज़ का ऊ अंतवा सॉन्ग एक बहुत बड़ा हिट रहा था। ये गानापूरी दुनिया में मशहूर हो गया था। वहीं अब, अल्लू अर्जुन साउथ इंडिया की डांसिंग क्वीन श्रीलीला के साथ डांस करने के लिए तैयार हैं। साल की सबसे बड़ी फिल्म में एक में स्पेशल सॉन्ग के लिए श्रीलीला एक बेहतरीन चॉइस हैं। इन सबके बीच बता दें कि फिल्म के ट्रेलर की घोषणा जल्द ही होने वाली है। बता दें कि फिल्म के इस स्पेशल डांस नंबर को गणेश आचार्य ने कोरियोग्राफ किया है। हाल की फिल्मों में अपने दमदार परफॉर्मेंस और स्क्रीन प्रेजेंस के लिए मशहूर श्रीलीला को पुष्पा 2: द रूल में एक बड़े, हाई-एनर्जी गाने में दिखाया जाएगा। यह गाना फिल्म का एक प्रमुख आकर्षण होने की उम्मीद है और इसमें श्रीलीला ग्लैमरस लुक में दिखाई देंगी। बता दें कि पुष्पा 2: द रूल में अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहाद फासिल अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। पुष्पा देश में एक बड़ा नाम बन गई है और सफलता के नए आयाम स्थापित किए हैं। पुष्पा 2: द रूल 5 दिसंबर, 2024 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

अजब-गजब | यह है मध्य एशिया का सबसे अमीर मुल्क

यहां हर किसी के पास है हजारों एकड़ जमीन

ये दुनिया विविधता से भरी हुई है। इसमें एक से बढ़कर एक खूबसूरत मुल्क हैं। हर एक मुल्क की अपनी विशेषता है। आज एक ऐसे ही मुल्क की कहानी जो साइज में करीब-करीब भारत के बराबर है जबकि वहां की आबादी महज दो करोड़ है। यानी अपने भारत की आबादी से करीब-करीब 70 गुना कम। यहां का एक हर एक इंसान हजारों एकड़ जमीन का मालिक है। दरअसल, हम जिस अनोखे और अद्भुत मुल्क की बात कर रहे हैं उसका नाम है कजाकिस्तान। यह मध्य एशिया का मुल्क है और यहां की बहुसंख्यक आबादी मुस्लिम है। इसकी भौगोलिक स्थिति और ऐतिहासिक धरोहर शानदार है।

आज इस मुल्क के बारे में बात करने की कोई खास वजह नहीं है। बल्कि हम इसकी चर्चा केवल इसकी अपेक्षाकृत बेहद कम आबादी की वजह से कर रहे हैं। इस मुल्क का क्षेत्रफल 26.99 लाख स्क्वायर वर्ग किमी है। वहीं अपने देश भारत का क्षेत्रफल 32.87 लाख वर्ग किमी है। यानी साइज में कजाकिस्तान, भारत से करीब साढ़े पांच लाख वर्ग किमी छोटा है। भारत में प्रति वर्ग किमी 488 लोग रहते हैं वहीं कजाकिस्तान में प्रति वर्ग किमी केवल आठ लोग रहते हैं। इस मुल्क की कुल आबादी केवल दो करोड़ है। इसमें से आधे से अधिक यानी करीब 55 फीसदी आबादी शहरी क्षेत्रों में रहती है।

बड़े-बड़े रेगिस्तानों, पर्वतों, घाटियों और घने जंगलों से बने इस मुल्क की एक ही सबसे बड़ी शिकायत है। प्रकृति ने इसे हर चीज दी है। लेकिन इसे समंदर का किनारा नहीं दिया है। यह दुनिया का सबसे बड़ा लैंडलॉक कंट्री है। जहां तक आधुनिक कजाकिस्तान की बात है तो यह 1991 तक सोवियत संघ का हिस्सा था। सोवियत संघ के विघटन के बाद यह एक स्वतंत्र मुल्क बना।

कजाकिस्तान मध्य एशिया का एक सबसे अमीर मुल्क है। यहां प्रति व्यक्ति आय सालाना 14,569 अमेरिकी डॉलर है। भारतीय रुपये में यह रकम 12 लाख रुपये से अधिक है। यानी यहां का हर व्यक्ति हर माह करीब एक लाख रुपये कमाता है। इस मुल्क के पास भरपूर प्राकृतिक संसाधन हैं। तेल और गैस आधारित इस देश की अर्थव्यवस्था ने बीते दो दशकों में काफी प्रगति की है। भारत की बात करें तो अपने यहां प्रति व्यक्ति आय करीब 2400 अमेरिकी डॉलर सालाना है। रुपये में यह रकम करीब 1.85 लाख है। यानी आय के मामले में कजाकिस्तान हमसे काफी आगे है।

हम कजाकिस्तान को जमींदारों का मुल्क इसलिए कह रहे हैं क्योंकि यहां की 75 फसीदी जमीन खेती योग्य है। मौजूदा वक्त में यहां 37 फीसदी भूमि पर खेती होती है। यहां सरकार सबसे बड़ी जमींदार है। खेती की सारी जमीनें उसके पास है और वह किसानों और कंपनियों को लीज पर ये जमीनें देती है। मजेदार बात यह है कि कजाकिस्तान की सरकार ने यहां की खेती की जमीनों को विदेशियों के हाथों बेचने पर प्रतिबंध लगा रखी है।

क्या आप जानते हैं कोल्ड ड्रिंक की बोतलों को पूरा क्यों नहीं भरते ?

बच्चों से लेकर बड़ों तक कोल्ड ड्रिंक पीने के शौकीन आपको हर उम्र में देखने को मिलेंगे। जहां गर्मियों में कोल्ड ड्रिंक की डिमांड ज्यादा होती है, वहीं ठंड में भी डिमांड कम नहीं होती। यूं तो कोल्ड ड्रिंक को बहुत लोग पीते हैं, पर इससे जुड़ी एक रोचक बात और उसके पीछे का कारण शायद ही किसी को पता होगा। क्या आप जानते हैं कि कोल्ड ड्रिंक की बोतलों को पूरा क्यों नहीं भरा जाता, उसमें खाली जगह क्यों छोड़ दी जाती है? अगर आपको नहीं पता, तो चलिए हम आपको इसकी असल वजह बता देते हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार सॉफ्ट ड्रिंक्स, पानी की बोतलें, शैंपू की बोतलें या वो तमाम चीजें जो बोतलों में बिकती है, उन्हें पूरा मुंह तक नहीं भरते, कुछ हिस्सा खाली छोड़ देते हैं। आप सोचेंगे कि आखिर इसके पीछे क्या वजह हो सकती है। दरअसल, जब ऐसी चीजों की बोतलों को ट्रांसपोर्ट के जरिए एक जगह से दूसरी जगह ले जाते हैं, तो इनके पैकेज फटने का और ढक्कन खुल जाने का खतरा रहता है, ऐसे में ये तरल पदार्थ बोतल से बाहर गिर सकते हैं। पर कोल्ड ड्रिंक के मामले ये कारण तो है ही, पर इसके अलावा भी एक कारण है। जब सॉफ्ट ड्रिंक्स को पैक किया जाता है, तो उनका तापमान, कमरे के तापमान से नीचे होता है। यानी उन्हें रूम टेंपरेचर से नीचे ठंडा कर के ही पैक करते हैं। फिर ट्रांसपोर्टेशन के वक्त या उसके क्रेट को कहीं डिलीवर करते वक्त उसे किसी भी तरह के तापमान में छोड़ा जा सकता है। कई बार तो बोतलें धूप में भी रखी रहती हैं। इससे बोतलों के अंदर का तापमान बढ़ जाता है। आप ये तो जानते ही होंगे कि सॉफ्ट ड्रिंक्स में कार्बन डायऑक्साइड गैस भरी जाती है। जब सॉफ्ट ड्रिंक गर्म होती है, तो ये गैस लिक्विड में से बाहर आने लगती है और एक्सपैंड करती है। इस तरह बोतल के अंदर का प्रेशर बढ़ जाता है। ये बढ़ा हुआ प्रेशर बाहर की ओर पड़ता है। अब अगर कोल्ड ड्रिंक को पूरा ऊपर तक भर दिया जाएगा तो गैस को एक्सपैंड करने के लिए अतिरिक्त जगह नहीं होगी। ऐसे में कोल्ड ड्रिंक की बोतल फट सकती है और पूरा तरल पदार्थ बाहर बह सकता है। इसे रोकने के लिए ही कोल्ड ड्रिंक की बोतलों को पूरा ऊपर तक नहीं भरते।

पीएम मोदी ने नहीं पढ़ा संविधान : राहुल गांधी

» नेता प्रतिपक्ष बोले- भाजपा और आरएसएस संविधान को खत्म करने के लिए चौबीसों घंटे कर रहे काम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) संविधान को खत्म करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। गांधी ने कहा कि वह 'गारंटी' के साथ कह सकते हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संविधान नहीं पढ़ा है, अन्यथा वह उसमें लिखी बातों का सम्मान करते। कांग्रेस नेता गांधी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले राज्य के पूर्वी हिस्से में स्थित गोंदिया में एक चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे।

गांधी ने कहा कि लोगों को मोदी से पूछना चाहिए कि पिछले 10 सालों में उन्होंने कितने किसानों का ऋण माफ किया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र में यदि विपक्षी महा विकास आघाडी की सरकार सत्ता में आयी तो सोयाबीन और कपास के किसानों को उनकी फसलों का उचित दाम एवं गरीबों को स्वास्थ्य बीमा मिलेगा।

राहुल ने बहन के समर्थन के लिए मतदाताओं से की अपील

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि मैं इस चुनाव में वायनाड में अपने परिवार से संपर्क कर रहा हूं। मेरी बहन प्रियंका गांधी संसद में आपकी आवाज बनने के लिए तैयार हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को वायनाड के मतदाताओं से अपनी बहन प्रियंका गांधी वाद्रा का समर्थन करने की अपील की और कहा कि वह उनके लिए एक प्रतिनिधि से ज्यादा उनकी बहन, बेटी और उनकी आवाज उठाने वाली सदस्य होंगी। राहुल गांधी ने कहा कि वह एक प्रतिनिधि से ज्यादा होंगी - वह आपकी बहन, आपकी बेटी और आपका पक्ष रखने वाली होंगी। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि बाहर निकलें, वोट करें और उनका समर्थन करें। आइए, मिलकर उन्हें एक शानदार जीत दिलाएं।" वायनाड लोकसभा सीट के लिए उपचुनाव में मतदान बुधवार सुबह 7 बजे शुरू हो चुका है।

नायडू लोगों को धोखा देने के लिए निकालते हैं तरकीबें : रेड्डी

» विपक्षी नेता का आरोप- नायडू दो दशक से सेलफोन व कंप्यूटर के आविष्कार करने का कर रहे दावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश में विपक्ष के नेता और वाईएसआरसीपी (युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी) प्रमुख वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने आरोप लगाया कि राज्य के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू लोगों को ''धोखा'' देने के लिए कई अवतार धारण करेंगे और उन्होंने हाल में समुद्री-विमान (सीप्लेन) डेमो उड़ान में भाग लेने को उनका ऐसा ही एक अवतार बताया। रेड्डी ने आरोप लगाया कि नायडू दो दशक से यह दावा कर रहे हैं कि उन्होंने सेलफोन और कंप्यूटर का 'आविष्कार' किया है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा कि चंद्रबाबू नायडू लोगों को धोखा देने के लिए तरकीबें निकालेंगे और उन्हें ठगेंगे। इसके लिए वह कोई भी अवतार ले सकते हैं।

हाल में विजयवाड़ा से श्रीशैलम तक समुद्री विमान से यात्रा भी ऐसा ही अवतार थी।' विपक्षी नेता ने कहा कि समुद्री विमान में कुछ भी नया नहीं है, क्योंकि इनका संचालन 114 साल से किया जा रहा है और केरल ने भारत में सबसे पहले 2013 में समुद्री विमान का संचालन शुरू किया था, लेकिन बाद में इसे रोक दिया गया। मुख्यमंत्री ने विजयवाड़ा में कृष्णा नदी के किनारे पुन्नमी घाट पर समुद्री-विमान में सवार होकर डेमो उड़ान में भाग लिया था।

सत्ता के लिए 'कॉकरोच' की तरह रेंग रहे हैं पलानीस्वामी : स्टालिन

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ई.के.पलानीस्वामी की आलोचना करते हुए आश्चर्य जताया कि क्या कल्याणकारी योजनाओं का नाम उनके नाम पर रखा जा सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि वह पद के लिए 'कॉकरोच' की तरह रेंग रहे हैं। पलानीस्वामी ने आरोप लगाया है कि सरकार दिवंगत मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि के नाम पर बनाई गई योजनाओं के लिए धन आवंटन कर रही है जबकि वे लोगों के लिए उपयोगी नहीं हैं।स्टालिन ने कहा कि विपक्षी ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) प्रमुख की टिप्पणी झूठ का पुलिंदा है। स्टालिन ने दिवंगत द्रमुक नेता करुणानिधि के नाम से चल रहे कलैगनार सेंटरी लाइब्रेरी, कलैगनार जल्लीकट्टू अखाड़ा, चेन्नई में एक अस्पताल और महिलाओं के लिए 1,000 रुपये की वित्तीय सहायता योजना सहित विभिन्न योजनाओं का उल्लेख करते हुए जानना चाहा कि ऐसी कौन सी पहल लोगों के लिए उपयोगी नहीं है।

संजय रॉय पर अपना रुख साफ करें ममता: राज्यपाल बोस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने आरजी कर मामले के मुख्य आरोपी संजय रॉय के दावे पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से रिपोर्ट मांगी है। राज्यपाल बोस ने राज्य सरकार से आरोपों पर तथ्यात्मक स्थिति और अपने रुख से जल्द से जल्द अवगत कराने का भी आग्रह किया। गौरतलब है कि मामले के मुख्य आरोपी संजय राय ने आरोप लगाया था कि उन्हें इस मामले में फंसाया गया है। इस साजिश के पीछे कोलकाता के पूर्व पुलिस आयुक्त विनीत गोयल और कुछ अन्य वरिष्ठ अधिकारी थे।

बता दें कि रॉय को कोलकाता पुलिस महिला जूनियर डॉक्टर का शव मिलने के एक दिन बाद गिरफ्तार किया था। बाद में उच्च न्यायालय के आदेश पर सीबीआई ने इस मामले की जांच शुरू की। इस घटना से पूरे देश भर में आक्रोश का महौल था।

'मुस्लिमों को आरक्षण देने की खबरें झूठी'

» भाजपा के आरोप का सिद्धारमैया ने दिया जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलुरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने उन मीडिया रिपोर्टों को खारिज कर दिया जिनमें दावा किया गया था कि राज्य सरकार नौकरियों में मुस्लिम आरक्षण के प्रस्ताव पर विचार कर रही है। उन्होंने रिपोर्टों को एक और नया झूठ बताया। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने एक बयान में स्पष्ट किया कि आरक्षण की मांग की गई है लेकिन इस संबंध में सरकार के समक्ष ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।

यह स्पष्टीकरण कर्नाटक में मुसलमानों के लिए आरक्षण के मुद्दे पर चल रहे विवाद के बीच आया है। सीएमओ ने एक बयान में कहा कि कुछ मीडिया में रिपोर्ट छपी है कि नौकरियों में मुसलमानों को आरक्षण देने का प्रस्ताव सरकार के सामने है, यह सच है कि आरक्षण की मांग होती रही है। हालांकि, यह स्पष्ट किया गया है कि इस संबंध में सरकार के समक्ष कोई प्रस्ताव नहीं है। श्रेणी-2बी के तहत प्रस्तावित 4 प्रतिशत कोटा से कर्नाटक में सार्वजनिक निर्माण अनुबंधों के लिए कुल आरक्षण बढ़कर 47 प्रतिशत हो जाएगा। वर्तमान में, राज्य विशेष सामाजिक समूहों के लिए 43 प्रतिशत ह सरकारी अनुबंध आरक्षित रखता है। एससी/एसटी ठेकेदारों के लिए 24प्रतिशत, श्रेणी-1 ओबीसी के लिए 4प्रतिशत, और श्रेणी-2ए ओबीसी के लिए 15 प्रतिशत है।

विपक्ष के नेता आर अशोक ने उठाया था मुद्दा

राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा कि सिद्धारमैया के राजनीतिक सचिव, नसीर अहमद, आवास और वक्फ मंत्री बीजे ज़मीर अहमद खान और अन्य मुस्लिम विधायकों के साथ, 24 अगस्त को एक पत्र प्रस्तुत किया था, जिसमें अनुबंधों में मुसलमानों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण का अनुरोध किया गया था। उन्होंने आगे कहा कि सिद्धारमैया ने वित्त विभाग को उसी दिन प्रस्ताव की समीक्षा करने का निर्देश दिया था, कथित तौर पर उन्होंने इस मामले से संबंधित कर्नाटक सार्वजनिक खरीद पारदर्शिता (केटीपीपी) अधिनियम में संशोधन का भी समर्थन किया था।

बांटने की भाषा बाबा साहेब के संविधान के खिलाफः सुप्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। वक्फ संशोधन अधिनियम पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान और भाजपा के बटेंगे तो कटेंगे नारे पर राकांपा-एससीपी सांसद सुप्रिया सुले ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, संयुक्त संसदीय समिति बहुत बड़ी चीज है। यह लोकतंत्र है। देश संविधान पर चलता है, न कि किसी अदृश्य ताकत से। ये बांटने की भाषा बाबा साहेब अंबेडकर के संविधान के खिलाफ है। इससे यह स्पष्ट होता है कि भाजपा संविधान के खिलाफ है। हर दिन विपक्षी नेताओं की तलाशी ली जा रही है। यह कौन सी नई गंदी राजनीति है?

बता दें कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना, भाजपा और अजीत पवार की एनसीपी से मिलकर बनी महायुति सत्ता बरकरार रखने की कोशिश कर रही है। जबकि शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी (एसपी) और कांग्रेस की विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) इसे सत्ता से बेदखल करने के प्रयास में है।

टी-20 सीरीज में बढ़त लेने उतरेगा भारत

» भारतीय बल्लेबाजों की फॉर्म बना चिंता का विषय

दक्षिण अफ्रीका से तीसरा मैच आज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सेंचुरियन। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरे टी20 में गकेबरहा की तेज और उछाल भरी पिच पर फ्लॉप रहने वाले भारतीय बल्लेबाजों को सेंचुरियन में बुधवार को होने वाले तीसरे टी20 में भी अफ्रीकी तेज गेंदबाजों की परीक्षा से गुजरना होगा। सुपरस्पोर्ट पार्क की पिच भी तेज और उछाल भरी है। सूर्यकुमार यादव की टीम को 1-1 से बराबर चार मैचों की सीरीज में बढ़त बनानी है तो अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी। बता दें हार्दिक पांड्या को छोड़कर टीम के अन्य किसी क्रिकेटर ने इस मैदान पर कभी कोई टी20 मैच नहीं खेला है।

अब तक दोनों मैचों में प्रभाव नहीं छोड़ पाए कप्तान सूर्यकुमार, रिंकू सिंह और अभिषेक शर्मा को बल्लेबाजी में आगे बढ़कर जिम्मेदारी उठानी होगी। 2009 के बाद से भारत ने इस मैदान पर 2018 में सिर्फ एक टी-20 मैच खेला है। भारत को इस मैच में छह विकेट से हार मिली थी। अभिषेक बतौर ओपनर अब तक दोनों मैच में नहीं चले हैं। वहीं 360 डिग्री क्रिकेटर के तौर पर मशहूर सूर्या दोनों मैचों में प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं। रिंकू सिंह भी दोनों मैचों में 11 और नौ रन की पारियां खेल पाए हैं। वह फिनिशर की भूमिका से न्याय नहीं कर पाए हैं। सिर्फ संजू सैमसन और तिलक वर्मा ही ऐसे दो बल्लेबाज रहे हैं, जिन्होंने रन बनाए हैं। इस दौरे पर भारत का अब तक सबसे सकारात्मक पक्ष उसकी स्पिन गेंदबाजी रही है। वरुण चक्रवर्ती और रवि बिश्नोई ने प्रभावित किया है। खासतौर पर पहले मैच में 25 पर तीन और दूसरे मैच में 17 रन पर पांच विकेट लेने वाले वरुण की गुगली द. अफ्रीकी बल्लेबाजों के लिए समझ से बाहर रही है।

झारखंड हाईकोर्ट ने किया महेंद्र सिंह धोनी को तलब

रांची। पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को झारखंड हाईकोर्ट ने व्यापारिक सौदे के मामले में उन्हें नोटिस जारी किया है। धोनी के खिलाफ यह मामला उनके पूर्व साझेदार मिहिर दिवाकर और सौम्या दास ने दर्ज कराया है। हाईकोर्ट ने धोनी को इस मामले में कोर्ट में पेश होकर अपना पक्ष स्पष्ट करने का आदेश दिया है। दिवाकर और दास अर्का स्पोर्ट्स एंड मैनेजमेंट लिमिटेड के निदेशक हैं और उन्होंने भारत के पूर्व कप्तान के साथ उनके नाम का उपयोग करके क्रिकेट अकादमियां खोलने का समझौता किया था। धोनी ने दोनों पर उन्हें धोखा देने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ आपराधिक शिकायत दर्ज कराई थी। धोनी ने कहा था कि उन्होंने 2021 में यह समझौता रद्द कर दिया था, इसके बावजूद दोनों उनके नाम का उपयोग करते रहे। इसके खिलाफ ही दिवाकर और दास हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

झारखंड में पहले चरण में जमकर निकले वोटर

» वायनाड में प्रियंका गांधी की किस्मत का होगा फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड की 81 सदस्यीय विधानसभा के पहले चरण दस राज्यों के विधान सभा के साथ लोकसभा सीट वायनाड के लिए आज चुनाव हो रहे हैं। पहले चरण में झारखंड की 43 सीट पर सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक मतदान होगा। कुल 2.60 करोड़ मतदाताओं में से 1.37 करोड़ मतदाता मतदान करेंगे। दोपहर एक बजे तक झारखंड में 46.2 प्रतिशत मतदान हो चुका था।

झारखंड के सीएम हेमंत सोरन समेत कई दिग्गज नेताओं ने वोट डाला। इस बीच जहां वायनाड में राहुल व प्रियंका गांधी ने लोगों से वोट देने की अपील की वहीं पीएम मोदी ने भी लोगों से घरों से निकल कर मतदान केंद्रों पर जाने को कहा। उधर सभी सियासी दलों ने अपनी-अपनी पार्टी के जीत के दावे भी किए। बिहार मंत्री श्रवण कुमार ने कहा, झारखंड में तेजी से मतदान जारी। मेरी जानकारी के मुताबिक एनडीए मजबूती से आगे बढ़ रहा है।

46.2 प्रतिशत वोटिंग दोपहर 1 बजे तक

43 सीटों पर मतदान, सीएम हेमंत सोरेन समेत कई दिग्गजों ने डाला वोट

लोग अपने घरों से बाहर आएं और वोट डालें : कल्पना सोरेन

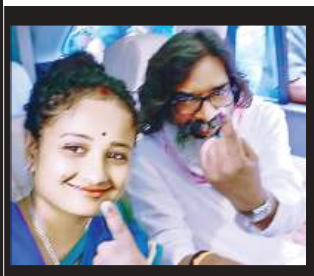

गांडेय विधानसभा सीट से जेएमएम उम्मीदवार कल्पना सोरेन ने कहा, मेरी लोगों से अपील है कि वे अपने घरों से बाहर आएं और अपने मताधिकार का प्रयोग करें तथा सरकार बनाने में अपनी भूमिका निभाएं। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपनी पत्नी कल्पना सोरेन के साथ मतदान किया।

कोल्हान की सभी सीटें भाजपा ही जीतेगी: चंपई

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और सरायकेला निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार चंपई सोरेन ने कहा, कोल्हान में 14 की 14 सीट भाजपा ही जीतेगी। एनडीए गठबंधन की ही विजय होगी इसमें कोई किंतु-परंतु नहीं है... मतदान सभी का अधिकार है।

अपने बूथ से मतदान कर बाहर निकलते महेन्द्र सिंह धोनी।

वायनाड के लोग प्यार और स्नेह का कर्ज चुकाने का मौका देंगे : प्रियंका

वायनाड लोकसभा उपचुनाव में कांग्रेस कांग्रेस उम्मीदवार प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, मुझे उम्मीद है कि वायनाड के लोग मुझे उनके द्वारा दिखाए गए प्यार और स्नेह का कर्ज चुकाने और उनके लिए काम करने और उनका प्रतिनिधि बनने का मौका देंगे। मुझे उम्मीद है कि हर कोई अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग करेगा और मतदान करेगा। प्रियंका ने 'एक्स' पर लिखा, ''मेरे प्यारे भाइयो और बहनो, कृपया आज मतदान कीजिए। आज आपका दिन है। ऐसा दिन जब आप अपनी पसंद से किसी को चुनते हैं और संविधान द्वारा दिए गए सबसे बड़े अधिकार का इस्तेमाल करते हैं। आइए, मिलकर बेहतर भविष्य बनाएं।प्रियंका के भाई और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के वायनाड सीट छोड़ने के बाद यहां उपचुनाव हो रहा है। कुछ महीने पहले संपन्न लोकसभा चुनाव में राहुल ने उत्तर प्रदेश की रायबरेली और वायनाड, दोनों सीट से जीत हासिल की थी और बाद में उन्होंने केरल की इस लोकसभा को छोड़ दिया था। वायनाड लोकसभा उपचुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवार प्रियंका गांधी ने वायडना में एक मतदान केंद्र का दौरा किया। वायनाड सीट पर मतदान जारी है। वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) ने इस सीट से सत्यन मोकेरी को मैदान में उतारा है। भाजपा ने नव्या हरिदास को उम्मीदवार बनाया है।

10 राज्यों की 31 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव

10 राज्यों की 31 विधानसभा और केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर आज उपचुनाव हो रहे हैं। प्रियंका गांधी संबह ही वहां पहुंची। उन्होंने वहां पर लोगों से मुलाकात भी की। सिक्किम की दो सीटों पर सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा के दोनों उम्मीदवार निर्विरोध जीत चुके हैं। 10 राज्यों की 31 विधानसभा सीटों में से 28 विधायकों के लोकसभा चुनाव में सांसद बनने खाली हुईं। इसके अलावा दो की असमय मृत्यु और एक के दल बदलने की वजह से उपचुनाव हो रहे हैं। इनमें से 18 सीटें विपक्ष और 11 सीटें एनडीए के पास थीं। गुजरात के बनासकांठा जिले की वाव विधानसभा सीट के लिए हो रहे उपचुनाव में बुधवार सुबह मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की कतारें देखी गईं। वाव में मुख्य मुकाबला भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस उम्मीदवारों के बीच माना जा रहा है। मतदान सुबह सात बजे शुरू हुआ और भाजपा उम्मीदवार स्वरूपजी ठाकोर सबसे पहले वोट डालने वाले लोगों में शामिल रहे। मतदाता शाम छह बजे तक वोट डाल सकेंगे। भाजपा प्रत्याशी ठाकोर का मुकाबला पूर्व विधायक और कांग्रेस उम्मीदवार गुलाबसिंह राजपूत से है।

पहले मतदान, फिर जलपान : गंगवार

झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने कहा, देश के सबसे बड़े लोकतंत्र में मतदान एक अहम हिस्सा है, मैं सभी से अनुरोध करता हूं कि वे अपने मत का उपयोग करें। मैं सभी से अनुरोध करता हूं कि पहले मतदान, फिर जलपान।

बारातियों से भरी बस खड़े ट्रेलर से टकराई तीन लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में बुधवार सुबह प्रयागराज-कानपुर हाई-वे पर नोएडा जा रही एक बस किनारे खड़े ट्रेलर में जा घुसी। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है। जबकि छह लोगों की हालत गंभीर है। सभी को कानपुर रेफर किया गया है। जनपद प्रयागराज थाना धूमनगंज के विशुनपुर कालोनी निवासी नरेंद्र के पुत्र मंजीत की बारात लेकर बस जनपद गाजियाबाद के सेक्टर 25 नोएडा जा रही थी। बुधवार की भोर बस कानपुर प्रयागराज हाईवे पर कल्याणपुर थाना क्षेत्र के मौहार के समीप हाईवे किनारे खड़े ट्राले में पीछे से घुस गई। बस के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई।

दुर्घटना में जनपद प्रयागराज के मुंडेरा निवासी 40 वर्षीय सरोज सिंह, शशिकांत के 8 वर्षीय पुत्र आदित्य उर्फ टीटू, आमोद के 12 वर्षीय पुत्री कुमकुम की मौत हो गई। इसके अलावा बिहार जनपद रोहताश थाना गोड़री के जयश्री निवासी रोमन, विजय कुमार, सुजाता कुमारी, बिहार औरंगाबाद की किरन देवी, प्रयागराज के मुंडेरा निवासी पवन मिश्रा, अनूप गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए पीएचसी गोपालगंज व सीएचसी बिंदकी भेजा गया। यहां से सभी को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। थाना प्रभारी विनोद मिश्रा ने बताया कि हादसा भोर पहर का है। तीन लोगों की मौत हुई है। छह लोग गंभीर घायल हुए हैं। जिन्हें इलाज के लिए फतेहपुर व कानपुर भेजा गया है।

जहां-जहां मोदी ने रैलियां कीं वहां-वहां भाजपा हारी : पवार

पूर्व सीएम ने राज ठाकरे के आरोप को खारिज किया, लोकसभा चुनाव में पीएम ने की 16 रैलियां, 12 सीटें हारे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जलगांव। राकांपा (शरदचंद्र पवार) सुप्रीमो शरद पवार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव में भाजपा महाराष्ट्र की उन 10-12 सीटों पर हार गई, जहां पार्टी के शीर्ष नेता (मोदी) ने चुनावी रैलियों को संबोधित किया था। पवार ने प्रधानमंत्री की रैलियों से जुड़े सवाल पर कहा, चुनावी रैलियों को संबोधित करना प्रधानमंत्री का अधिकार है। इस पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत नहीं है।

उन्होंने कहा, लेकिन एक बात ध्यान में रखिये, लोकसभा चुनाव के दौरान

प्रधानमंत्री ने (महाराष्ट्र में) 16 रैलियों को संबोधित किया था और भाजपा उन 10-12 सीटों पर हार गई, जहां उन्होंने रैलियां की थीं। तो, उन्हें आने दीजिए। इस साल संपन्न लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में भाजपा की सीटों की संख्या घटकर नौ रह गई। जबकि 2019 के लोकसभा चुनावों में पार्टी ने राज्य की 23 सीटों पर कब्जा जमाया था। पवार ने जाति आधारित राजनीति को बढ़ावा देने के महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे के आरोप को खारिज किया। राकांपा (शरदचंद्र पवार) प्रमुख ने कहा, उन्हें (राज ठाकरे) चुनाव से कुछ महीने पहले थोड़ा महत्व दिया जाता है। इसलिए, मैं उन्हें गंभीरता से नहीं लेता।

भाजपा अपने कार्यकर्ताओं के साथ करती है दुर्व्यवहार

पवार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता रावसाहेब दानवे पर भी निशाना साधा, जिनका एक वीडियो सामने आया था, जिसमें वह एक समर्थक को लात मारते हुए दिखे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा अपने कार्यकर्ताओं के साथ किस तरह का व्यवहार करती है, यह सभी के सामने है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ महायुति और विपक्षी महा विकास आघाडी के बीच कांटे की टक्कर मानी जा रही है। महायुति में भाजपा, एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) शामिल हैं। वहीं, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे), कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) एमवीए के घटक दल हैं।

भाजपा ने फडणवीस की जांच के वीडियो साझा कर उद्धव ठाकरे पर किया पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के बैग चेक को लेकर शुरु हुए विवाद के एक दिन बाद भाजपा ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का एक वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में फडणवीस के बैग की सुरक्षा जांच को दिखाया गया है। भाजपा ने इस वीडियो के जरिए उद्धव ठाकरे पर निशाना साधा और कहा कि कुछ नेताओं को दिखावा करने की आदत होती है। पार्टी ने यह भी कहा कि फडणवीस ने बैग चेक को मुद्दा नहीं बनाया, जबकि ठाकरे ने इस पर हंगामा खड़ा कर दिया।

महाराष्ट्र भाजपा ने सोशल

मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि फडणवीस के बैग सात नवंबर को यवतमाल और पांच नवंबर को कोल्हापुर में चेक किए गए थे। लेकिन उन्होंने इसको मुद्दा नहीं बनाया। भाजपा ने विपक्षी गठबंधन के संविधान बचाओं नारे पर निशाना साधते हुए कहा कि केवल संविधान को दिखाना ही काफी नहीं है, बल्कि उसे सच्चे रूप में लागू भी किया जाना चाहिए।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।